

---

li NgAShTakaM

लिङ्गाष्टकम्

Document Information

---

Text title : liNgAShTakaM

File name : lingashh.itx

Category : aShTaka, shiva

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Srinivas Sunder

Proofread by : Srinivas Sunder

Latest update : Feb. 10, 1995, December 3, 2022

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

लिङ्गाष्टकम्

---



ब्रह्ममुरारिसुरार्थितलिङ्गम् निर्मलभासितशोभितलिङ्गम् । (निर्मलभाषित)  
जन्मजट्टुःखविनाशकलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिवलिङ्गम् ॥ १ ॥  
द्वैतमुनिप्रवरार्थितलिङ्गम् कामदहम् करुणाकर लिङ्गम् ।  
रावणदहर्षविनाशनलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ २ ॥  
सर्वसुगन्धिसुलेपितलिङ्गम् बुद्धिविवर्धनकारणलिङ्गम् ।  
सिद्धसुरासुरवन्दितलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ३ ॥  
कनकमडामण्डिभूषितलिङ्गम् कृषिपतिवेषित शोभित लिङ्गम् ।  
दक्षसुयज्ञविनाशन लिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ४ ॥  
कुङ्कुमचन्दनलेपितलिङ्गम् पङ्कजहारसुशोभितलिङ्गम् ।  
सञ्चितपापविनाशनलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ५ ॥  
द्वैतगणार्थित सेवितलिङ्गम् भावैर्भक्तिभिरेव च लिङ्गम् ।  
दिनकरकोटिप्रभाकरलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ६ ॥  
अष्टदशोपशिवेष्टितलिङ्गम् सर्वसमुद्भवकारणलिङ्गम् ।  
अष्टदशविनाशनलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ७ ॥ (विनाशित)  
सुरगुरुसुरवरपूजित लिङ्गम् सुरवनपुष्प सदाथित लिङ्गम् ।  
परात्परं परमात्मक लिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ८ ॥  
लिङ्गाष्टकमिदं पुण्यं यः पठेत् शिवसन्निधौ ।  
शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सल मोदते ॥

॥ ॐ तत् सत् ॥



*li NgAShTakaM*

pdf was typeset on September 16, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

